कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (41) खण्ड - {81}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- वैर रखने वाले को कौन से ब्राह्मण कहेंगे ?

A- लौकिक ब्राह्मण

B- कभी लौकिक कभी अलौकिक

C- वैरी ब्राह्मण

D- हाफ कास्ट ब्राह्मण

प्रश्न 2- ज्ञान सूर्य का चन्द्रमा कौन है ?

A- कृष्ण

B- स्वयं शिवबाबा

C- सरस्वती

D- ब्रह्मा

प्रश्न 3- याद के अभ्यास को सहज बनाने के लिए शिव बाबा को किस रूप में याद करना है ?

A- कभी बाप रूप में

B- कभी टीचर रूप में

C- कभी सतगुरू रूप में

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- बाप समान क्या बनना है ?

A- त्रिकालदर्शी

B- त्रिनेत्री

C- त्रिलोकीनाथ

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- तुम बच्चे जब तक किस अवस्था तक नहीं पहुँचेंगे तब तक यज्ञ की समाप्ति नहीं होगी ?

A- ज्वाला स्वरूप स्थिति

B- मरजीवा स्थिति

C- कर्मातीत अवस्था

D- फरिश्ता स्थिति

प्रश्न 6- रूद्र शिवबाबा द्वारा रचे हुए यज्ञ और मनुष्यों द्वारा रचे जा रहे यज्ञों में मुख्य अन्तर क्या है ?

A- मनुष्य जो भी यज्ञ रचते, उसमें जौ-तिल आदि स्वाहा करते, वह मैटेरियल यज्ञ हैं।

B- यह अविनाशी ज्ञान यज्ञ है, इसमें सारी पुरानी दुनिया स्वाहा हो जाती है।

C- वह यज्ञ अधिक समय तक चलता है, जब तक यह यज्ञ विनाश न हो तब तक चलता रहेगा।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- राजाओं को श्री टाइटिल कभी नहीं देते थे, बल्कि उन्हें कहते हैं ?

A- हिज हाइनेस

B- हिज होलिनेस

C- हिज हैप्पीनेस

D- हिज हैजिनेस

प्रश्न 8- सभी बच्चों की अवस्था को मजबूत बनाने के लिए बाप कौन सी चैलेन्ज करते हैं ?

A- भोजन बनाते हुए पूरा समय याद में रहकर दिखाओ।

B- सच्ची- सच्ची पवित्रता की प्रतिज्ञा करो।

C- लास्ट सो फ़ास्ट आने का पुरुषार्थ करो।

D- फरिश्ता स्वरूप बनकर दिखाओ।

प्रश्न 9- परमात्म प्यार द्वारा जीवन में सदा अतीद्रिय सुख व आनंद की अनुभूति करना ही क्या है ?

A- सहजयोग

B- मौजों का जीवन

C- जीवन जीने की कला

D- राजयोग

प्रश्न 10- कौन सा नाम सदा याद रहे तो सेवा में स्वतः खुदाई जादू भर जायेगा ?

A- अथक सेवाधारी हूँ

B- खुदाई खिदमतगार हूँ

C- निमित्त हूँ

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- पद का आधार पढ़ाई पर है, पढ़कर फिर पढ़ाना है, गली-गली में जाकर बाप का ..... देना है ?

A- सन्देश

B- परिचय

C- ज्ञान

D- पैगाम

प्रश्न 12- तुम बच्चों को किस इच्छा से परे रहकर सेवा में लगे रहना है ?

A- किसी से पैसा लेने की इच्छा।

B- दूसरों को आपसमान बनाने में लगे रहना।

C- वाचा या कर्मणा सेवा करना।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 13- ..... में समान रहने वाले ही योगी तू आत्मा हैं ?

A- निंदा-स्तुति

B- मान-अपमान

C- हानि-लाभ

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- याद से ही कर्मभोग चुक्तू हो कौन सी अवस्था होगी ?

A- अशरीरी अवस्था

B- कर्मातीत अवस्था

C- फरिश्ता अवस्था

D- ज्वालास्वरूप अवस्था

प्रश्न 15- तुम्हारे दर पर कोई भी आये उसे कुछ न कुछ ज्ञान धन देना है, सबसे पहले क्या करना है ?

A- स्वयं का परिचय दो

B- फॉर्म भराओ फिर बाप का परिचय दो

C- आत्मा और परमात्मा का परिचय दो

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 16- पहले-पहले कौन सी प्रैक्टिस करो ?

A- हम आत्मा है।

B- परमात्मा हमारा बाप हैं।

C- स्वदर्शन चक्र फिराना हैं।

D- उपरोक्त सभी

भाग (41) खण्ड {81} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.हाफ कास्ट ब्राह्मण*

वह है निराकार, निर्भय, निर्वैर.... उनका कोई के साथ वैर नहीं है। तुम्हारा भी कोई के साथ वैर नहीं है। तुम सबके

कल्याणकारी हो। *अगर किसका वैर है तो उनको हाफ कास्ट कहेंगे।* आधा शूद्र, आधा ब्राह्मण। यह विकारों की खाद कम्पलीट निकल जायेगी तब सच्चा ब्राह्मण कहेंगे।

उत्तर 2- *D.ब्रह्मा*

तुम हो लक्की सितारे। यह सरस्वती भी लक्की सितारा है। ब्रह्मा की बेटी है ना। *उस ज्ञान सूर्य का चन्द्रमा तो यह (ब्रह्मा) है ना।* परन्तु यह मेल होने कारण माता पर कलष रखा जाता है।

उत्तर 3- *D.उपरोक्त सभी*

मीठे बच्चे - *याद के अभ्यास को सहज बनाने के लिए बाप को कभी बाप रूप में, कभी टीचर रूप में तो कभी सतगुरू रूप में याद करो*

उत्तर 4- *D.उपरोक्त सभी*

वह है अमरलोक, यह है मृत्युलोक। मृत्युलोक में बैठ कथा सुनाते हैं अमर-लोक में जाने लिए। तुम बच्चों को आप समान बनाकर साथ ले जाते हैं। ज्ञान सागर के बच्चे तुम भी मास्टर ज्ञान सागर बन जाते हो। *बाप समान त्रिकालदर्शी, त्रिनेत्री, त्रिलोकीनाथ बनना है।* बाप की महिमा में स्वयं को मास्टर बनाना है।

उत्तर 5- *C.कर्मातीत अवस्था*

वह यज्ञ थोड़े समय तक चलते, यह यज्ञ जब तक विनाश न हो तब तक चलता रहेगा। *जब तुम बच्चे कर्मातीत अवस्था तक पहुँचेंगे तब यज्ञ की समाप्ति होगी।*

उत्तर 6- *D.उपरोक्त सभी*

मनुष्य जो भी यज्ञ रचते, उसमें जौ-तिल आदि स्वाहा करते, वह मैटेरियल यज्ञ हैं। बाप ने जो यज्ञ रचा है यह अविनाशी ज्ञान यज्ञ है, इसमें सारी पुरानी दुनिया स्वाहा हो जाती है। वह यज्ञ थोड़े समय तक चलते, यह यज्ञ जब तक विनाश न हो तब तक चलता रहेगा।

उत्तर 7- *A.हिज हाइनेस*

वास्तव में श्री लक्ष्मी, श्री नारायण सतयुग में ही कहा जाता है। *राजाओं को श्री का टाइटिल कभी नहीं देते थे। उनको फिर हिज़ हाइनेस कहते हैं*

उत्तर 8- *A.भोजन बनाते हुए पूरा समय याद में रहकर दिखाओ*

बच्चे, *भोजन बनाते हुए पूरा समय याद में रहकर दिखाओ - यह बाप बच्चों को चैलेन्ज करते हैं।* शिवबाबा की याद में भोजन बनायेंगे तो ताकत भर जायेगी, अवस्था बहुत अच्छी हो जायेगी।

उत्तर 9- *A.सहजयोग*

परमात्म प्यार द्वारा जीवन में सदा अतीन्द्रिय सुख व आनंद की अनुभूति करना ही सहजयोग है।

उत्तर 10- *B.खुदाई खिदमतगार हूँ*

जब खुदा को खिदमत से जुदा कर देते हो तो अकेले होने के कारण सफलता की मंजिल दूर दिखाई देती है इसलिए *सिर्फ खिदमतगार नहीं, लेकिन खुदाई खिदमतगार हूँ - यह नाम सदा याद रहे तो सेवा में स्वत: खुदाई जादू भर जायेगा*

उत्तर 11- *B.परिचय*

“मीठे बच्चे - *पद का आधार पढ़ाई पर है, पढ़कर फिर पढ़ाना है, गली-गली में जाकर बाप का परिचय देना है''*

उत्तर 12- *A.किसी से पैसा लेने की इच्छा*

तुम रहमदिल बच्चे हो, *तुम्हें किसी से पैसा लेने की इच्छा नहीं रखनी है।* इस इच्छा से परे रहकर दान करने की सेवा में, दूसरों को आपसमान बनाने में लगे रहना है।

उत्तर 13- *D.उपरोक्त सभी*

निंदा-स्तुति, मान-अपमान, हानि-लाभ में समान रहने वाले ही योगी तू आत्मा हैं।

उत्तर 14- *B.कर्मातीत अवस्था*

निरन्तर याद में रहना - यह है सबसे ऊंची मंजिल। *याद से ही कर्मभोग चुक्तू हो कर्मातीत अवस्था होगी।*

उत्तर 15- *B.फॉर्म भराओ फिर बाप का परिचय दो*

“मीठे बच्चे - तुम्हारे दर पर कोई भी आये उसे कुछ न कुछ ज्ञान धन देना है, पहले फॉर्म भराओ फिर दो बाप का परिचय दो''

उत्तर 16- *A.हम आत्मा है*

बच्चों को समझाया है *पहले-पहले प्रैक्टिस करो हम आत्मा हैं।* देह-अभिमानी बनने से संबंध याद आता है - यह चाचा है, मामा है.....।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (41) खण्ड - {82}

प्रश्न 1- निम्नलिखित में से सही कथन नहीं है ?

A- बाबा को याद करते-करते सुखधाम चले जायेंगे।

B- अपने को आत्मा समझ मुझ बाप को याद करो, नहीं तो माया रूपी जिन्न तुमको खा जायेगा।

C- अब एक को याद करेंगे तो वर्सा पा सकेंगे।

D- उपरोक्त सभी सही हैं।

प्रश्न 2- सभी मोक्ष अथवा मुक्ति के लिए ही पुरुषार्थ करते हैं क्योंकि-

A- संसार में बहुत दुःख है।

B- यह दुनिया कब्रिस्तान है।

C- इस भम्भोर को आग लगनी है।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 3- बाप को याद कहाँ नहीं किया जाता है ?

A- दुःखधाम में

B- अशान्तिधाम में

C- सुखधाम में

D- सूक्ष्मलोक में

प्रश्न 4- तुम्हारा मगज़ (दिमाग) खुशी से सदा भरपूर होना चाहिए क्योंकि-

A- तुम रोज खुशी की खुराक खाते हो।

B- तुम अभी बाप के समान मास्टर नॉलेजफुल बने हो।

C- तुमको ही ड्रामा के आदि-मध्य-अन्त, रचता और रचना का ज्ञान है।

D ज्ञानी तू आत्मा बने हो।

प्रश्न 5- श्री श्री की श्रेष्ठ मत से ही हम श्रेष्ठ बन किस माला का दाना बनेंगे ?

A- विष्णु की माला

B- रूद्र की माला

C- अष्ट रत्नों की माला

D- विजयमाला

प्रश्न 6- दीपमाला कहाँ होगी ?

A- कलियुग में।

B- सतयुग में।

C- संगमयुग में।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- इनमे से कौन सा सही नही है ?

A- बाप के दिल पसन्द गिफ्ट है, चलता-फिरता फरिश्ता स्वरूप।

B- फरिश्ते रूप में कोई भी विघ्न आपको प्रभाव नहीं डालेगा।

C- जैसे स्टार चमकता है ऐसे आपका फरिश्ता रूप चमकेगा।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- चाहे पांच ही तत्व या आत्मायें कितना भी सामना करें लेकिन वो सामना करेंगे और आप समाने की शक्ति से उस सामना को समा लेंगे क्योंकि.?

A- डायमंड बनना है।

B- अटल निश्रय है

C- श्रेष्ठ आत्माएं है।

D- मायाजीत है।

प्रश्न 9- ब्राह्मण जीवन का श्रेष्ठ लक्ष्य है ?

A- पवित्रता का व्रत लेना

B- संगमयुगी मर्यादा पुरुषोत्तम बनना

C- बाप समान बनना

D- योगी बनना

प्रश्न 10- इनमें से सही नहीं है ?

A- सारा मदार योग पर है।

B- तुम ब्राह्मणों को पढ़ना और पढाना है।

C- सच्ची गीता सुनानी है।

D- सभी सही है।

प्रश्न 11- सद्धति का लक्षण कौन सा नहीं है ?

A- सर्वगुण सम्पन्न

B- 16 कला सम्पूर्ण

C- ज्ञान का सागर

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 12- बेहद के बाप द्वारा तुम पुरुषार्थ कर कितने जन्मों की प्रालब्ध बना रहे हो ?

A- 21 जन्मों की

B- 8 जन्मों की

C- अनेक जन्मों की

D- 63 जन्मों की

प्रश्न 13- बाप से सर्व सम्बन्ध रखो तो क्या ख़लास हो जायेगा ? माया बन्धन में बांधती और बाप बन्धनों से मुक्त कर देते हैं।

A- देह के सम्बन्ध

B- बन्धन

C- माया का सम्बन्ध

D- देह अभिमान

प्रश्न 14- जीते जी मर जाना ही क्या बनना है ?

A- मरजीवा

B- निर्बन्धन

C- अशरीरी

D- उपराम

प्रश्न 15- अपने आपसे बातें करनी है कि -

A- हमें तो अब वापस जाना है।

B- अब पुरानी दुनिया के अन्त का समय है।

C- हमारा पार्ट पूरा हुआ।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 16- निम्नलिखित में से कौन सा वाक्य सही नहीं है ?

A- देह से कर्म करते हुए भी यह निश्चय करो कि हम पार्ट बजा रहे हैं।

B- हम पवित्र बन तन-मन-धन से सेवा करते हैं। परन्तु पहले नष्टोमोहा चाहिए।

C- देही-अभिमानी बनो तो सब सम्बन्ध समाप्त हो जायेंगे।

D- उपरोक्त सभी सही है।

भाग (41) खण्ड {82} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.बाबा को याद करते- करते सुखधाम चले जायेंगे*

बाबा ने जिन्न का काम दे दिया है - *अपने को आत्मा समझ मुझे याद करो, नहीं तो माया रूपी जिन्न तुमको खा जायेगा।बाबा को याद करते-करते पहले शान्तिधाम जायेंगे।*

अब एक को याद करेंगे तो वर्सा पा सकेंगे। नहीं तो राजाई का वर्सा पूरा पा नहीं सकेंगे, फिर प्रजा में चले जायेंगे

उत्तर 2- *A.क्योंकि संसार मे बहुत दुःख है*

सभी मोक्ष अथवा मुक्ति के लिए ही पुरुषार्थ करते हैं क्योंकि संसार में बहुत दुःख है इसलिए मोक्ष अथवा मुक्ति चाहते हैं।

उत्तर 3- *C.सुखधाम में*

बाप भी कहते हैं शान्तिधाम और सुखधाम को याद करो। *सुखधाम में बैठ थोड़े ही याद किया जाता है।* याद किया जाता है दुःखधाम में, अशान्तिधाम में।

उत्तर 4- *B.तुम अभी बाप के समान मास्टर नॉलेजफुल बने हो*

मीठे बच्चे - *तुम्हारा मगज़ (दिमाग) खुशी से सदा भरपूर होना चाहिए क्योंकि तुम अभी बाप के समान मास्टर नॉलेजफुल बने हो''*

उत्तर 5- *B.रूद्र की माला*

तुम जानते हो हम ब्राह्मण यज्ञ के सर्वेन्ट हैं। हम ब्राह्मण ब्रह्मा के सच्चे मुख वंशावली हैं तो बाबा जो मुख से कहे वह मानना पड़े। *श्री श्री की श्रेष्ठ मत से ही हम श्रेष्ठ बन, रूद्र की माला का दाना बनेंगे।* सिजरा बनाते हैं - वासवानी सिजरा, कृपलानी सिजरा....। तो ऊपर में है शिवबाबा, उनका है निराकारी सिजरा। निराकारी सिजरा वह फिर साकारी सिजरा होता है।

उत्तर 6- *B.सतयुग में*

योग लगाने से जैसे घृत पड़ता जाता है। आत्मा अविनाशी है ना। तो आत्मा की ज्योति सारी उझाई नहीं जाती है। तो अब योगबल का घृत डालना है। सदैव के लिए फिर दीपमाला, सोझरा हो जायेगा। *दीपमाला अर्थात् घर-घर में सोझरा। तो दीपमाला कहाँ होगी? सतयुग में* यहाँ नहीं। यह सब राज़ तुम समझते हो, तुम्हारे पास ब्लाइन्डफेथ नहीं है

उत्तर 7- *C.जैसे स्टार चमकता है ऐसे आपका फरिश्ता रूप चमकेगा*

बाप के दिल पसन्द गिफ्ट है चलता-फिरता फरिश्ता स्वरूप। तो फरिश्ता समान बन जाओ। फरिश्ते रूप में कोई भी विघ्न आपको प्रभाव नहीं डालेगा। आपके संकल्प, वृत्ति, दृष्टि - सब डबल लाइट हो जायेंगे। तो गिफ्ट देने के लिए तैयार हो? (हाँ जी) देखना आपका टेप भी हो रहा है। अच्छी बात है *गोल्डन दुनिया को लाने के लिए फरिश्ते बनेंगे तो जैसे हीरा चमकता है ऐसे आपका फरिश्ता रूप चमकेगा।* ये अभ्यास अच्छी तरह से करते रहो।

उत्तर 8- *B.अटल निश्चय है*

जो दृढ़ निश्चय रखते हैं तो निश्चय की विजय कभी टल नहीं सकती। *चाहे पांच ही तत्व या आत्मायें कितना भी सामना करें लेकिन वो सामना करेंगे और आप समाने की शक्ति से उस सामना को समा लेंगे क्योंकि अटल निश्चय है* ये 60 वर्ष जो स्थापना के चले इसमें भी आदि से कमाल ब्रह्मा बाप और अनन्य बच्चों का रहा। कभी निश्चय में हलचल नहीं हुई। विजय हुई पड़ी है, यही बोल सदा ब्रह्मा बाप के रहे।

उत्तर 9- *B.संगमयुगी मर्यादा पुरुषोत्तम बनना*

संगमयुगी मर्यादा पुरुषोत्तम बनना - यही ब्राह्मण जीवन का श्रेष्ठ लक्ष्य है।

उत्तर 10- *A.सारा मदार योग पर है*

बाबा कहते - बच्चे, ऊंच तकदीर बनानी है तो सर्विस करो। अगर खाया और सोया, सर्विस नहीं की तो ऊंची तकदीर नहीं बना सकेंगे। सर्विस के बिगर खाना हराम है, *इसलिए बाबा सावधान करते। सारा मदार पढ़ाई पर है।* तुम ब्राह्मणों को पढ़ना और पढ़ाना है, सच्ची गीता सुनानी है। बाप को रहम पड़ता है इसलिए हर बात की रोशनी देते रहते हैं।

उत्तर 11- *C.ज्ञान का सागर*

सतयुग में देवतायें सद्गति में थे। फिर बाप ही आकर सद्गति करते हैं। सर्वगुण सम्पन्न, 16 कला सम्पूर्ण..... यह

हैं सद्गति के लक्षण। *यह कौन देते हैं? बाप। उनके फिर लक्षण क्या हैं? वह ज्ञान का सागर है, आनन्द का सागर है।* उनकी महिमा बिल्कुल अलग है। ऐसे नहीं कि सब एक ही हैं। एक बाप के बच्चे सभी आत्मायें हैं। प्रजापिता के ही औलाद होते हैं।

उत्तर 12- *C.अनेक जन्मों की*

यह बना बनाया ड्रामा है। अभी भगवान् यह सूर्यवंशी, चन्द्रवंशी राजधानी स्थापन कर रहे हैं। *तुम्हारी भविष्य के लिए प्रालब्ध बनाते हैं। अभी तुम पुरुषार्थ कर अनेक जन्मों की प्रालब्ध बना रहे हो बेहद के बाप द्वारा,* जो बाप स्वर्ग का रचयिता है। यह बातें समझने की हैं।

उत्तर 13- *B.बन्धन*

बाप से सर्व सम्बन्ध रखो तो बन्धन ख़लास हो जायेंगे, माया बन्धन में बांधती और बाप बन्धनों से मुक्त कर देते हैं"

उत्तर 14- *B.निर्बंधन*

निर्बन्धन अर्थात् अशरीरी। देह सहित देह का कोई भी सम्बन्ध बुद्धि को अपनी तरफ न खींचे। देह-अभिमान में ही बन्धन है। देही-अभिमानी बनो तो सब बन्धन समाप्त हो जायेंगे। *जीते जी मर जाना ही निर्बन्धन बनना है*। बुद्धि में रहे अब अन्त का समय है, नाटक पूरा हुआ, हम बाप के पास जाते हैं तो निर्बन्धन बन जायेंगे।

उत्तर 15- *D.उपरोक्त सभी*

बाप कहते हैं इन सबसे योग हटाए मुझ एक को याद करो। योग मुझ एक के साथ लगाओ। देह-अभिमान में नहीं आओ। देह से कर्म करते हुए भी यह निश्चय करो कि हम पार्ट बजा रहे हैं। *इस पुरानी दुनिया का अब अन्त है, अभी हमको वापिस जाना है, देह सहित देह के सब सम्बन्धों से उपराम होना है*। ऐसे-ऐसे अपने साथ बातें करनी है।

उत्तर 16- *C.देही-अभिमानी बनो तो सब संबंध समाप्त हो जायेंगे*

देह-अभिमान में ही बन्धन है। *देही-अभिमानी बनो तो सब बन्धन समाप्त हो जायेंगे।*